(vi) On an experimental basis, mechanised delivery of mails is being made at Delhi/Bombay.

ग्रामीण क्षेत्रों में खराब पड़े टेलीफोन

17. **श्री नागमणि:**
चौधरी हरमोहन सिंह यादव:

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लगाए गए अधिकतर टेलीफोन एक्सचेंज और टेलीफोन विगत छः माह से खराब पड़े हैं;

(ख) यदि हां, तो ऐसे गांवों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि इसी कारणवश देश को करोड़ों रुपए का घाटा उठाना पड़ रहा है;

(घ) इन टेलीफोनों को लगाने से पूर्व इन्हें किस प्रकार से ठीक करने की योजना बनाई गई थी और उन योजनाओं को लागू न किए जाने के क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या इसके लिए किसी अधिकारी को दोषी ठहराया गया है; यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

संचार मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा): (क) से (ड़) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

उद्योगपतियों के फोन चोरी छिपे सुना जाना

18. **श्री कृष्ण कुमार बिरला:**
श्री गुफरान आज़म:

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही में उद्योगपतियों के चोरी-छिपे फोन सुने जानी की घटना की जांच के आदेश दिए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी तथ्य और परिणाम क्या-क्या हैं;

(ग) क्या दूरसंचार विभाग द्वारा चोरी-छिपे फोन सुनना संगत नियमों और अन्य अधिनियमों का स्पष्ट उल्लघंन है;

(घ) यदि हां, तो क्या इसकी जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा की गई है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी परिणाम क्या हैं; और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सरकार द्वारा दोषी व्यक्ति के विरुद्ध क्या कार्यवाही किए जाने का विचार है?

संचार मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा): (क) से (ङ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जाएगी।

दिल्ली की टेलीफोन डायरेक्ट्री का प्रकाशन

19. **श्री गोविन्दराम गिरी:**
श्री सूर्यभान पाटील वहाडणे:
श्री शिव चरण सिंह:

क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का दिल्ली की अगली टेलीफोन डायरेक्ट्री प्रकाशित करवाने का विचार है; और यदि हां, तो इसके कब तक प्रकाशित होने की संभावना है और इसे किस शहर में प्रकाशित किया जाएगा;

(ख) क्या इस प्रयोजनार्थ निविदाएं आमंत्रित की गई हैं;

(ग) इस संबंध में कितनी धनराशि व्यय होने की संभावना है; और

(घ) क्या इसकी सविस्तार समीक्षा की गई है; यदि हां तो उसके निष्कर्ष क्या हैं, और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

संचार मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा): (क) जी हां। अगली निदेशिका के मुद्रण के लिए निविदा को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया जारी है। निदेशिकाओं का पहला लाट ठेके पर हस्ताक्षर होने की तारीख से 210 दिनों के भीतर अथवा इससे पूर्व मिलने की संभावना है। ठेकेदार द्वारा जिस शहर में निदेशिका का मुद्रण किया जाना है उसकी जानकारी नहीं है।

(ख) जी हां।

(ग) इस संबंध में किया जाने वाला अनुमानित व्यय लगभग 20 करोड़ रु० है।

(घ) जी हां। 14.20 लाख निदेशिकाएं प्रकाशित करने का प्रस्ताव है?